

This question paper contains 3 printed pages.

2891

Your Roll No.
आपका अनुक्रमांक

M. Ed.

J

Course— 4·5–H.1

PRINCIPLES OF CURRICULUM CONSTRUCTION

Time : 2 hours

Maximum Marks : 35

समय : 2 घण्टे

पूर्णांक : 35

*(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)*

*(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित
स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)*

NOTE:— *Answers may be written either in English or in
Hindi; but the same medium should be used
throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना
चाहिए।*

Attempt three questions in all.

Q. No. 1 is compulsory.

कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न सं० 1 अनिवार्य है।

1. The 'process model' of curriculum development rests on teacher judgement rather than teacher direction and is also committed to teacher development.

P. T. O.

Evaluate the appropriateness of the model in the context stated above.

पाठ्यचर्या विकास का 'प्रक्रिया मॉडल' शिक्षक के निर्णय पर टिका होता है, न कि शिक्षक के निर्देशन पर तथा यह शिक्षक विकास के लिये भी प्रतिबद्ध है। उपरोक्त के संदर्भ में, इस मॉडल की उपयुक्तता का मूल्यांकन कीजिए।

11

2. Curriculum must be regarded as a selection from the culture of a society— Justify the statement considering the multicultural nature of our society.

'पाठ्यचर्या को समाज की संस्कृति में से चुनाव के रूप में देखा जाना चाहिये।' हमारे समाज के बहुसांस्कृतिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुये इस कथन का औचित्य बताइए।

12

3. The transaction of the deep structures of knowledge into behavioural objectives is one of the principal causes of distortion of knowledge in school— Comment on this statement bringing out the theoretical and methodological ambiguities in this objective model of curriculum development.

विद्यालय में ज्ञान की विकृति का एक प्रमुख कारण है ज्ञान की गहरी संरचनाओं का व्यवहारवादी उद्देश्यों में भाषान्तर। पाठ्यचर्या विकास के इस उद्देश्यपरक मॉडल में सैद्धान्तिक एवं प्रणाली-विज्ञान अस्पष्टताओं को उजागर करते हुए इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

12

4. Curriculum deliberation is a social dialogue the wider its reach the stronger its grasp of the social

reality— Discuss this statement in the context of social structures prevalent in our society.

‘पाठ्यचर्या विचार-विमर्श एक सामाजिक संवाद है जितनी चौड़ी उसकी पहुँच होगी, उतनी मजबूत उसकी पकड़ सामाजिक वास्तविकता की होगी।’ इस कथन की विवेचना हमारे समाज में विद्यमान सामाजिक संरचनाओं के संदर्भ में कीजिए। 12

5. Write a critique on any *one* of the following:

- (i) Teacher as a researcher (in the process of curriculum transaction)
- (ii) Impact of post-modernism on curriculum change
- (iii) Curriculum development towards social reconstruction.

निम्नलिखित में से किसी एक पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए:

- (i) शिक्षक शोधकर्ता के रूप में (पाठ्यचर्या कार्य-निष्पादन की प्रक्रिया में)
- (ii) पाठ्यचर्या परिवर्तन पर उत्तर-आधुनिकतावाद का प्रभाव
- (iii) पाठ्यचर्या विकास सामाजिक पुनःनिर्माण की ओर। 12